साहित्य अकादमी युवा एवं बाल साहित्य पुरस्कार 2025

[स्रोत: द हिंदू](#)

चर्चा में क्यों?

साहित्य अकादमी ने वर्ष 2025 के लिये 24 भारतीय भाषाओं में **23 लेखकों को युवा पुरस्कार** और **24 लेखकों को बाल साहित्य पुरस्कार** प्रदान करने की घोषणा की।

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार और साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार क्या है?

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार

- **परिचय: वर्ष 2011** में स्थापित यह वार्षिक पुरस्कार **35 वर्ष या उससे कम आयु के युवा भारतीय लेखकों को** साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त **अंग्रेज़ी** सहित **24 भारतीय भाषाओं** में से किसी में भी उनके **मौलिक साहित्यिक कार्यों के लिये प्रदान किया जाता है।**
- **पुरस्कार के मुख्य घटक: 50,000 रुपए** नकद पुरस्कार, एक **उत्कीर्ण ताम्र पट्टिका** और एक **प्रशस्ति-पत्र।**
- **पात्रता मानदंड: कार्य मौलिक** (रचनात्मक या आलोचनात्मक) होना चाहिये, **पिछले 5 वर्षों के भीतर प्रकाशित हुआ हो** और कम से कम **49 पृष्ठ** लंबा होना चाहिये।
  - **प्रत्येक लेखक को प्रति भाषा केवल एक बार यह पुरस्कार दिया जाता है।**
  - **अनुचित (अयोग्य) कृतियों में** अनुवाद, संक्षेपण, शोध-प्रबंध, ई-पुस्तकें, मरणोपरांत प्रकाशित रचनाएँ और **प्रवासी भारतीय (NRI), भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO) या दोहरी नागरिकता रखने वाले लेखकों की कृतियाँ शामिल हैं।**
- **चयन प्रक्रिया:** सार्वजनिक प्रविष्टियों का आह्वान → विशेषज्ञों द्वारा प्रारंभिक मूल्यांकन → तीन सदस्यीय भाषा निर्णायक मंडल द्वारा अंतिम चयन → कार्यकारी बोर्ड द्वारा अनुमोदन → एक विशेष समारोह में विजेताओं की घोषणा।

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार

- **परिचय:** इस पुरस्कार की स्थापना **वर्ष 2010** में की गई थी। यह प्रतिवर्ष उन **उत्कृष्ट बाल साहित्य कृतियों को सम्मानित करने हेतु प्रदान किया जाता है,** जो **9 से 16 वर्ष की आयु के पाठकों के लिये लिखी गई हों** और साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त **24 भारतीय भाषाओं** में से किसी एक में हों।
- **पुरस्कार के घटक: 50,000 रुपए की पुरस्कार राशि, उत्कीर्ण पट्टिका (प्लाक), एक शॉल और प्रशस्ति पत्र।**
- **पात्रता मानदंड:**
  - कृति **मौलिक और रचनात्मक** होनी चाहिये तथा **पिछले 5 वर्षों** के भीतर प्रकाशित हुई हो।
  - किसी भाषा में पुरस्कार पर विचार करने हेतु कम से **कम 3 पात्र पुस्तकें होनी चाहिये।**
    - **पौराणिक कथाओं के पुनर्कथन** स्वीकार्य हैं।
    - **मरणोपरांत कृतियाँ** पात्र हैं यदि लेखक का निधन उस 5-वर्षीय अवधि के भीतर हुआ हो।
  - अनुवाद, संकलन, संक्षेपण, शोध-प्रबंध तथा साहित्य अकादमी के **बोर्ड सदस्यों, फेलो (Fellows) या भाषा सम्मान प्राप्तकर्त्ताओं की कृतियाँ अपात्र मानी जाती हैं।**

साहित्य अकादमी और इसके पुरस्कार क्या हैं?

- **परिचय:** यह एक **स्वायत्त संगठन** है जिसकी स्थापना वर्ष 1952 में की गई थी और इसका औपचारिक उद्घाटन वर्ष 1954 में हुआ था। इसका उद्देश्य **भारत की विभिन्न भाषाओं में साहित्य के प्रचार-प्रसार को समर्पित है।** इसे **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** के तहत वर्ष 1956 में एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।
  - इसका मुख्यालय **दिल्ली** में स्थित है तथा इसके क्षेत्रीय कार्यालय **कोलकाता, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई** और **अगरतला** में हैं।
- **कार्य:**
  - **अंतर-भाषीय साहित्यिक संवाद, परस्पर अनुवाद,** और साहित्यिक कृतियों के **प्रकाशन** को प्रोत्साहित करता है।
  - **पत्रिकाएँ, मोनोग्राफ, संकलन, विश्वकोश, ग्रंथ-सूचियाँ तथा साहित्य का इतिहास** प्रकाशित करता है।

- **पुरस्कार एवं सम्मान:** साहित्य अकादेमी प्रत्येक मान्यता प्राप्त भाषा में एक-एक कर कुल **24 वार्षिक साहित्य पुरस्कार** प्रदान करती है, साथ ही **भारतीय भाषाओं से और भारतीय भाषाओं में** अनूदित कृतियों के लिये **24 अनुवाद पुरस्कार** भी प्रदान करती है।
    - यह अकादेमी **गैर-मान्यता प्राप्त भाषाओं** तथा **शास्त्रीय/मध्यकालीन साहित्य** में योगदान के लिये **भाषा सम्मान** भी प्रदान करती है।
    - प्रख्यात साहित्यकारों को **फेलोशिप** (जैसे **आनंद कुमारस्वामी** और **प्रेमचंद फैलोशिप**) के माध्यम से सम्मानित किया जाता है और उन्हें अकादेमी के **फेलो** तथा **मानद फेलो** के रूप में चयनित किया जाता है।
- **साहित्य अकादेमी पुरस्कार:** वर्ष **1954** में स्थापित, ये **वार्षिक साहित्यिक सम्मान साहित्य अकादेमी** द्वारा उन **उत्कृष्ट पुस्तकों** को प्रदान किये जाते हैं जो **संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित 22 भाषाओं**, साथ ही **अंग्रेज़ी** और **राजस्थानी** में साहित्यिक उत्कृष्टता के लिये प्रकाशित हुई हों।
    - यह **ज्ञानपीठ पुरस्कार** के बाद भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला **दूसरा सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान** है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sahitya-akademi-yuva-bal-sahitya-puraskar-2025